GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal

ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुभाषिकता के प्रावधान: विद्यालय शिक्षकों की जागरूकता का अध्ययन

डॉ कुमारी अंजला
शिक्षाशास्त्र सहायक प्राध्यापिका
जे० पी० शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
समस्तीपुर, बिहार

शोध-सार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में मातृभाषा/घरेलू भाषा में शिक्षण, लचीले त्रिभाषा सूत्र, संस्कृत व शास्त्रीय भाषाओं के विकल्प, द्विभाषी शिक्षण तथा भारतीय सांकेतिक भाषा के मानकीकरण जैसे बहुभाषिकता-सम्बन्धी प्रावधान हैं। इन प्रावधानों का क्रियान्वयन अन्ततः शिक्षकों की समझ पर निर्भर करता है। प्रस्तुत अध्ययन में [जिला/क्षेत्र] के 200 विद्यालय शिक्षकों की जागरूकता का स्तर, उसके आयाम-वार स्वरूप तथा विद्यालय-स्तर और NEP-सम्बन्धी प्रशिक्षण के आधार पर अन्तर का विश्लेषण किया गया। अधिकांश शिक्षक (67%) औसत जागरूकता वाले पाए गए। जागरूकता मातृभाषा-माध्यम के प्रावधान में सर्वाधिक (73%) और द्विभाषी शिक्षण एवं भारतीय सांकेतिक भाषा के प्रावधानों में सबसे कम (50%) रही। प्राथमिक/उच्च प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता माध्यमिक शिक्षकों से .05 स्तर पर, तथा प्रशिक्षित शिक्षकों की अप्रशिक्षित शिक्षकों से .01 स्तर पर सार्थक रूप से अधिक रही।

मुख्य शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, बहुभाषिकता, त्रिभाषा सूत्र, मातृभाषा, शिक्षक जागरूकता

1. प्रस्तावना

भारत एक बहुभाषी देश है जहाँ कक्षा में आने वाला बच्चा प्रायः घर की भाषा, क्षेत्रीय भाषा और विद्यालय की भाषा, इन तीनों के बीच संवाद करता है। मोहन्ती (2019) ने भारत की बहुभाषिक वास्तविकता को शिक्षा के लिए बाधा नहीं, बल्कि संसाधन के रूप में देखने पर बल

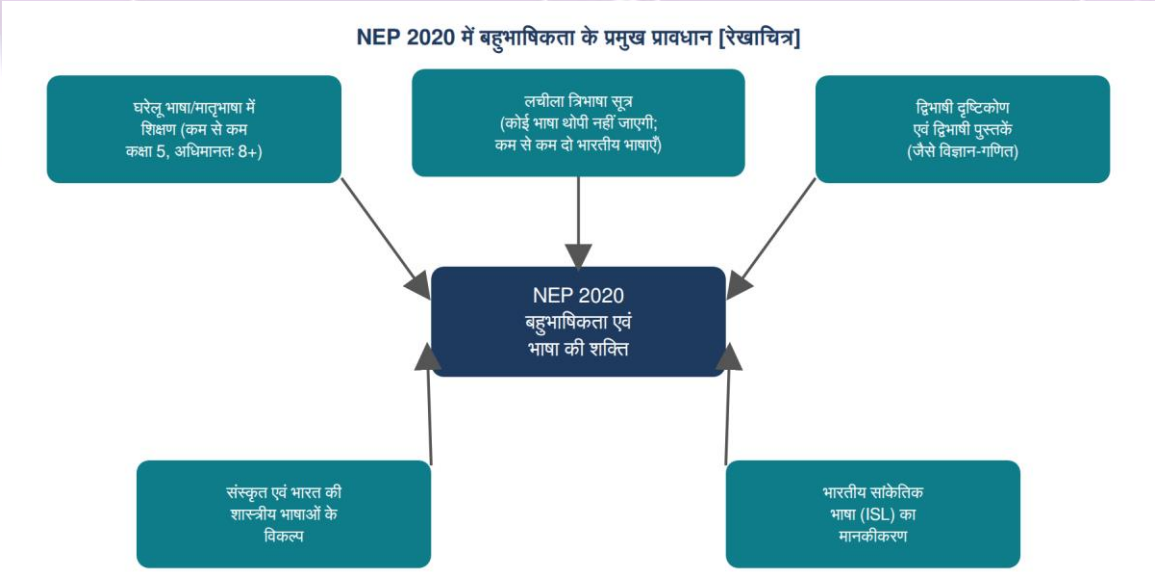
GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

दिया है। कमिन्स (2000) के अनुसार बच्चे की पहली भाषा का सशक्त आधार उसकी दूसरी भाषा और समग्र अधिगम को सहारा देता है, और यूनेस्को (2003) भी मातृभाषा-आधारित बहुभाषी शिक्षा की अनुशंसा करता है।

इसी पृष्ठभूमि में NEP 2020 ने बहुभाषिकता को प्रमुख स्थान दिया है (भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, 2020)। इसके बाद के पाठ्यचर्या दस्तावेज़ों में भी इसे आगे बढ़ाया गया है (एन.सी.ई.आर.टी., 2022, 2023)। परन्तु नीति तभी कक्षा तक पहुँचती है जब शिक्षक उसके प्रावधानों को जानते और समझते हों। अतः शिक्षकों की जागरूकता का अध्ययन महत्त्वपूर्ण है।

2. NEP 2020 में बहुभाषिकता के प्रावधान

NEP 2020 के बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति वाले खंड (भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, 2020, खंड 4) के प्रमुख प्रावधानों का सार निम्न है। चित्र 1 में इन्हें रेखाचित्र के रूप में दिखाया गया है।



चित्र 1: NEP 2020 में बहुभाषिकता के प्रमुख प्रावधान

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

- जहाँ तक सम्भव हो, कम से कम कक्षा 5 तक, अधिमानतः कक्षा 8 और उसके आगे तक, शिक्षा का माध्यम घरेलू भाषा/मातृभाषा/स्थानीय भाषा हो।
- त्रिभाषा सूत्र लचीला रहेगा; किसी राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी, और तीन में से कम से कम दो भाषाएँ भारत की मूल भाषाएँ होंगी।
- द्विभाषी दृष्टिकोण और द्विभाषी पाठ्यपुस्तकों, जैसे विज्ञान और गणित में, को प्रोत्साहन।
- संस्कृत तथा भारत की अन्य शास्त्रीय भाषाओं का विकल्प के रूप में अध्ययन।
- भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) का देशभर में मानकीकरण।

3. शोध की आवश्यकता एवं औचित्य

बहुभाषिकता-सम्बन्धी प्रावधानों का वास्तविक क्रियान्वयन कक्षा में शिक्षक के निर्णयों से होता है, जैसे शिक्षण का माध्यम, बच्चों की घरेलू भाषा का उपयोग और भाषा-समावेशी शिक्षण। शिक्षकों की जागरूकता में कमियाँ पहचानकर प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रमों को लक्षित किया जा सकता है।

4. शोध के उद्देश्य

- NEP 2020 के बहुभाषिकता-सम्बन्धी प्रावधानों के प्रति विद्यालय शिक्षकों की जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।
- जागरूकता का आयाम-वार स्वरूप ज्ञात करना।
- विद्यालय-स्तर (प्राथमिक/उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक) के आधार पर जागरूकता की तुलना करना।
- NEP/बहुभाषिकता-सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त और अप्राप्त शिक्षकों की जागरूकता की तुलना करना।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

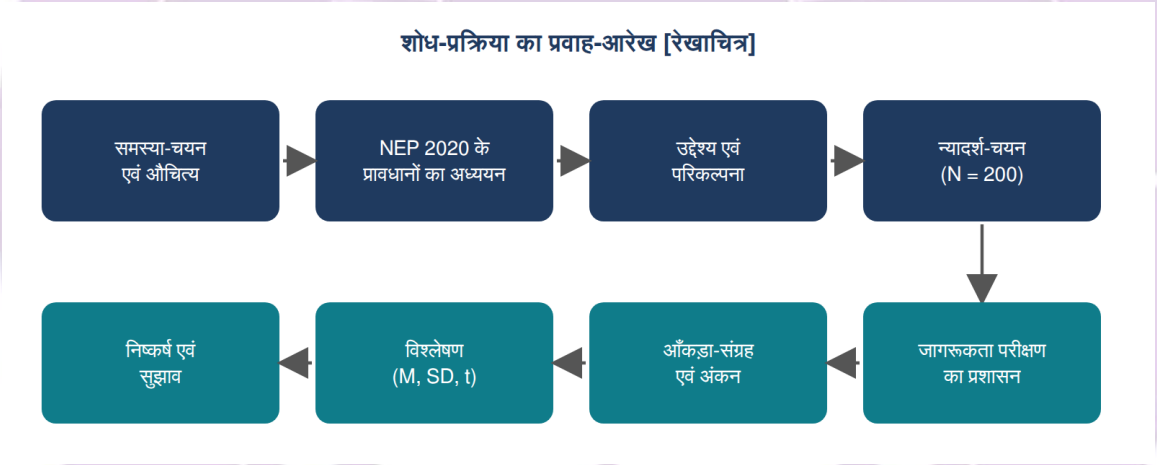
5. शोध परिकल्पनाएँ

- $H_0$1: प्राथमिक/उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- $H_0$2: प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित शिक्षकों की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

6. शोध-पद्धति

6.1 शोध-विधि

अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि अपनाई गई (कोठारी, 2004; बेस्ट एवं काहन, 2006)। शोध-प्रक्रिया के चरण चित्र 2 में हैं।



चित्र 2: शोध-प्रक्रिया का प्रवाह-आरेख

6.2 जनसंख्या एवं न्यादर्श

जनसंख्या [जिला/क्षेत्र] के विद्यालय शिक्षक हैं। 200 शिक्षकों का चयन विद्यालय-स्तर और प्रशिक्षण को ध्यान में रखते हुए किया गया। यहाँ 'प्रशिक्षित' से आशय उन शिक्षकों से है

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

जिन्होंने NEP 2020 या बहुभाषिकता-सम्बन्धी किसी प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया है।

विद्यालय-स्तर	प्रशिक्षित	अप्रशिक्षित	कुल
प्राथमिक/उच्च प्राथमिक	30	60	90
माध्यमिक	50	60	110
कुल	80	120	200

तालिका 1: न्यादर्श का वितरण (N = 200)

6.3 शोध-उपकरण

आँकड़े एकत्र करने के लिए 30 मदों वाला जागरूकता परीक्षण प्रयुक्त किया गया, जिसमें चार आयाम हैं: मातृभाषा/घरेलू भाषा में शिक्षण (8), त्रिभाषा सूत्र (8), संस्कृत एवं भारतीय/शास्त्रीय भाषाएँ (7), तथा द्विभाषी शिक्षण एवं भारतीय सांकेतिक भाषा (7)। सही उत्तर पर 1 अंक दिया गया, अधिकतम अंक 30 हैं।

6.4 आँकड़ों का विश्लेषण

जागरूकता के स्तर हेतु कुल मध्यमान (M) और मानक विचलन (SD) के आधार पर वर्गीकरण किया गया: M + 1 SD या अधिक उच्च, M − 1 SD या कम निम्न, तथा शेष औसत। समूहों की तुलना के लिए t-परीक्षण और प्रभाव-आकार (कोहेन का d) का प्रयोग किया गया (गैरेट, 2007)।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

6.5 परिसीमन

अध्ययन चयनित क्षेत्र के विद्यालय शिक्षकों तथा NEP 2020 के बहुभाषिकता-सम्बन्धी प्रावधानों की जागरूकता तक सीमित है; इसमें इन प्रावधानों के वास्तविक कक्षा-क्रियान्वयन का अध्ययन शामिल नहीं है।

7. परिणाम एवं विश्लेषण

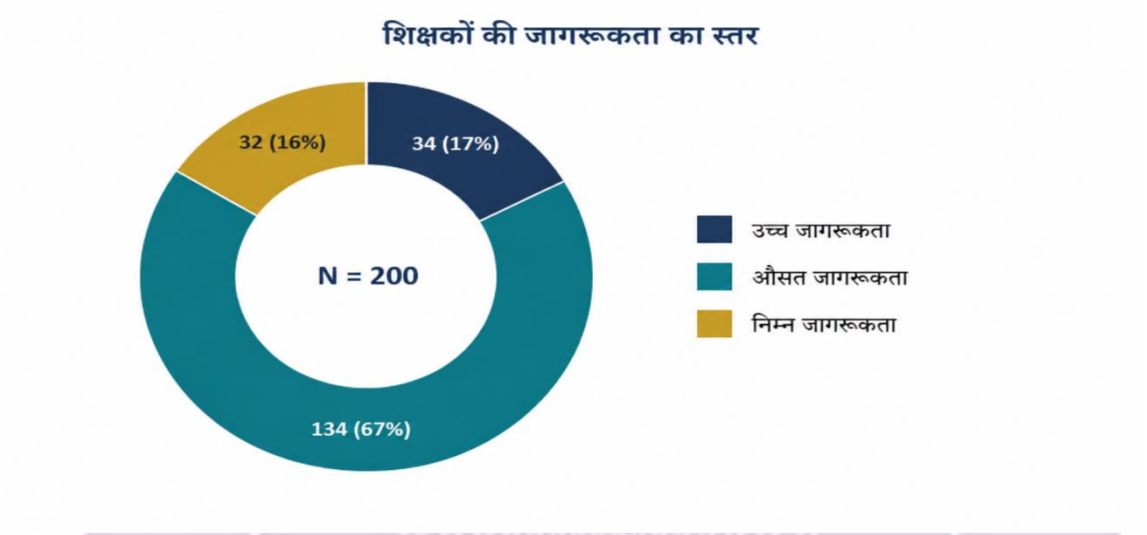
7.1 जागरूकता का स्तर

सम्पूर्ण न्यादर्श का मध्यमान 18.5 (अधिकतम 30) तथा मानक विचलन 4.8 रहा। स्तर-वितरण तालिका 2 और चित्र 3 में है।

जागरूकता का स्तर	अंक-परास	संख्या	प्रतिशत
उच्च	23.3 एवं अधिक	34	17%
औसत	13.8 से 23.2	134	67%
निम्न	13.7 एवं कम	32	16%
कुल	–	200	100%

तालिका 2: जागरूकता का स्तर-वितरण

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026



चित्र 3: शिक्षकों की जागरूकता के स्तर का वितरण

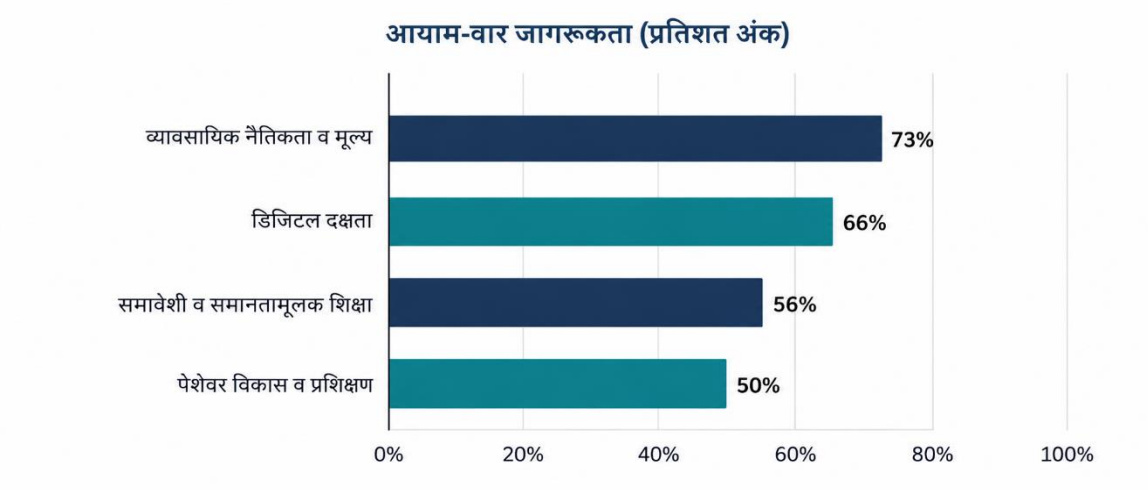
7.2 आयाम-वार जागरूकता

चारों आयामों में जागरूकता के मध्यमान तालिका 3 और चित्र 4 में प्रस्तुत हैं।

आयाम	मदें	अधिकतम अंक	मध्यमान	प्रतिशत अंक
मातृभाषा/घरेलू भाषा में शिक्षण	8	8	5.84	73%
त्रिभाषा सूत्र	8	8	5.28	66%
संस्कृत एवं भारतीय/शास्त्रीय भाषाएँ	7	7	3.92	56%
द्विभाषी शिक्षण एवं ISL	7	7	3.50	50%
कुल	30	30	18.5	62%

तालिका 3: आयाम-वार जागरूकता

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026



चित्र 4: आयाम-वार जागरूकता (प्रतिशत अंक)

शिक्षक मातृभाषा/घरेलू भाषा में शिक्षण के प्रावधान से सबसे अधिक (73%) परिचित हैं, जबकि द्विभाषी शिक्षण और भारतीय सांकेतिक भाषा के प्रावधानों की जानकारी सबसे कम (50%) है। यह अन्तर प्रशिक्षण-सामग्री में इन अपेक्षाकृत कम चर्चित प्रावधानों को अधिक स्थान देने का संकेत देता है।

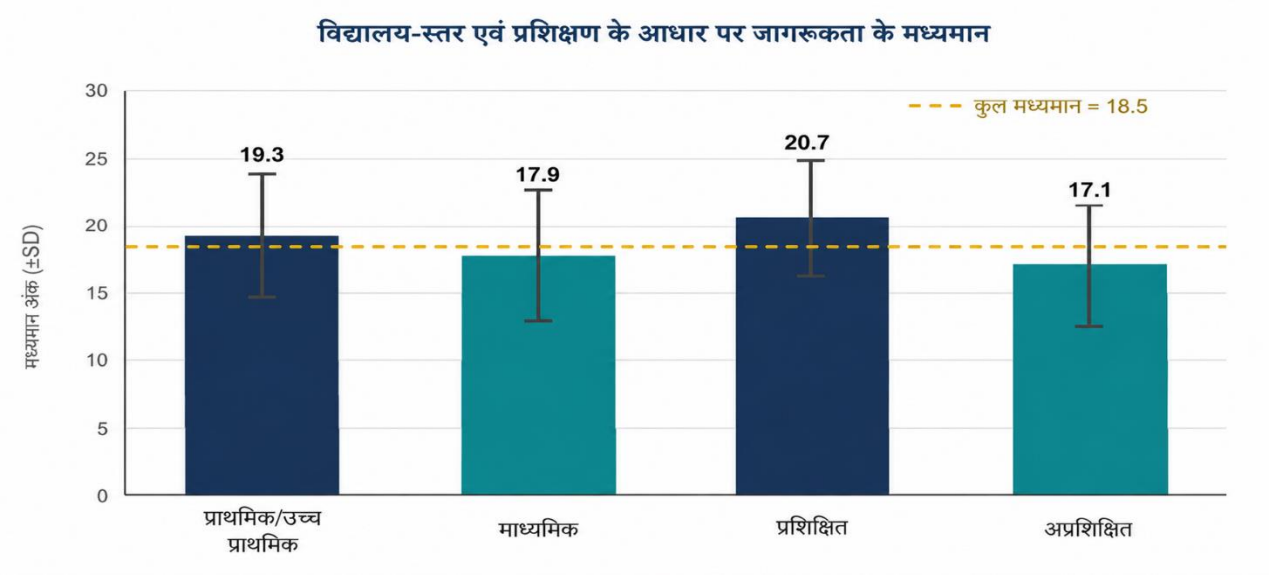
7.3 विद्यालय-स्तर एवं प्रशिक्षण के आधार पर तुलना ($H_0$1, $H_0$2)

t-परीक्षण के परिणाम तालिका 4 और चित्र 5 में हैं।

तुलना	समूह	N	M	SD	t-मान	सार्थकता (df = 198)	d
विद्यालय-स्तर	प्राथमिक/उच्च प्राथमिक	90	19.3	4.6	2.07	सार्थक (.05)	0.29
	माध्यमिक	110	17.9	4.9			
प्रशिक्षण	प्रशिक्षित	80	20.7	4.2	5.61	सार्थक (.01)	0.81
	अप्रशिक्षित	120	17.1	4.6			

तालिका 4: विद्यालय-स्तर एवं प्रशिक्षण के आधार पर जागरूकता की तुलना

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026



चित्र 5: समूहों के जागरूकता-मध्यमान (±SD)

विद्यालय-स्तर: प्राथमिक/उच्च प्राथमिक शिक्षकों का मध्यमान (19.3) माध्यमिक शिक्षकों (17.9) से अधिक है। t-मान 2.07 .05 स्तर पर सार्थक है (.01 स्तर पर नहीं), अतः $H_0$1 अस्वीकृत की जाती है; प्रभाव-आकार (d = 0.29) छोटा है।

प्रशिक्षण: प्रशिक्षित शिक्षकों का मध्यमान (20.7) अप्रशिक्षित शिक्षकों (17.1) से अधिक है। t-मान 5.61 .01 स्तर पर सार्थक है, अतः $H_0$2 अस्वीकृत की जाती है। प्रभाव-आकार (d = 0.81) बड़ा है, जो प्रशिक्षण के महत्त्व की ओर संकेत करता है।

8. परिणामों की चर्चा

अधिकांश शिक्षकों का औसत स्तर पर होना दर्शाता है कि नीति की जानकारी पूरी तरह फैली नहीं है। प्राथमिक स्तर के शिक्षकों में अपेक्षाकृत अधिक जागरूकता का एक सम्भावित कारण यह हो सकता है कि मातृभाषा-माध्यम का प्रावधान प्रारम्भिक कक्षाओं से सीधे जुड़ा है। प्रशिक्षण से जुड़ा बड़ा अन्तर यह संकेत देता है कि संरचित अभिविन्यास जागरूकता बढ़ाने में प्रभावी

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

हो सकता है। परन्तु यह अध्ययन कारण-परिणाम सम्बन्ध नहीं सिद्ध करता; इन्हें केवल सम्भावित व्याख्याएँ माना जाए।

9. शैक्षिक निहितार्थ

- बहुभाषिकता पर केन्द्रित सेवाकालीन प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
- प्रशिक्षण-सामग्री में द्विभाषी शिक्षण और भारतीय सांकेतिक भाषा जैसे कम-जागरूकता वाले प्रावधानों को विशेष स्थान मिले।
- माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए अलग से लक्षित सत्र रखे जाएँ।
- शिक्षक-शिक्षा (बी.एड./डी.एल.एड.) पाठ्यक्रम में बहुभाषिक कक्षा-शिक्षण को जोड़ा जाए।

10. निष्कर्ष

शिक्षकों की जागरूकता मुख्यतः औसत स्तर की रही; मातृभाषा-माध्यम के प्रावधान की जानकारी सर्वाधिक और द्विभाषी शिक्षण व भारतीय सांकेतिक भाषा की जानकारी सबसे कम थी। प्राथमिक/उच्च प्राथमिक और प्रशिक्षित शिक्षकों में जागरूकता अधिक पाई गई। अध्ययन को सीमित न्यादर्श के आधार पर सावधानी से सामान्यीकृत किया जाए। भविष्य में जागरूकता के साथ वास्तविक कक्षा-व्यवहार, अनुभव और भाषाई पृष्ठभूमि जैसे चरों का अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ-सूची

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [National Education Policy 2020]. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

Best, J. W., & Kahn, J. V. (2006). Research in education (10th ed.). Pearson Education.

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

Cummins, J. (2000). Language, power and pedagogy: Bilingual children in the crossfire. Multilingual Matters.

Garrett, H. E. (2007). Statistics in psychology and education. Paragon International Publishers.

Kothari, C. R. (2004). Research methodology: Methods and techniques (2nd ed.). New Age International.

Mohanty, A. K. (2019). The multilingual reality: Living with languages. Multilingual Matters.

National Council of Educational Research and Training. (2022). National curriculum framework for foundational stage. NCERT.

National Council of Educational Research and Training. (2023). National curriculum framework for school education. NCERT.

UNESCO. (2003). Education in a multilingual world (UNESCO education position paper). UNESCO